बिहार सरकार ने मध्याह्न भोजन मेनू में किया बदलाव

चर्चा में क्यों?

बिहार सरकार ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में **मध्याह्न भोजन (पीएम पोषण शक्ति निर्माण या पीएम पोषण) मेनू** में महत्त्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य छात्रों को दिये जाने वाले भोजन के **पोषण मूल्य** और **विविधता को बढ़ाना है।**

मुख्य बिंदु

- भोजन में बदलाव इस उद्देश्य से किया गया है कि बच्चों को **संतुलित और पोषणयुक्त आहार** प्राप्त हो, जिससे उनके **स्वास्थ्य में सुधार** और **अध्ययन के परिणामों** में वृद्धि हो सके।
- इस अद्यतन मेनू में **सोयाबीन** और **दाल** जैसे **प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों के** साथ-साथ विभिन्न **मौसमी सब्जियों को शामिल करने पर ज़ोर दिया गया है,** ताकि छात्रों के लिये **संतुलित आहार सुनिश्चित किया जा सके।**
- **मध्याह्न भोजन योजना** स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिये सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिससे छात्रों की **उपस्थिति दर में वृद्धि होगी** और **उनके समग्र विकास को समर्थन मिलेगा।**
- ये परिवर्तन बिहार के **सभी सरकारी स्कूलों में लागू किये जाएँगे, जो** बच्चों के लिये **अधिक स्वस्थ और अनुकूल शिक्षण वातावरण को** बढ़ावा देने के लिये राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मध्याह्न भोजन योजना (MDMS)

- **परिचय:**
- मिड डे मिल स्कीम अर्थात् **मध्याह्न भोजन योजना** विश्व में अपनी तरह का सबसे बड़ा स्कूल पोषण कार्यक्रम है, जो **कक्षा 1 से 8 तक** के **सरकारी स्कूलों** में **नामांकित छात्रों को कवर करता है।**
- इस योजना का मूल **उद्देश्य** स्कूलों में **नामांकन बढ़ाना है।**
- **नोडल मंत्रालय:** शिक्षा मंत्रालय
- **पृष्ठभूमि:** यह कार्यक्रम पहली बार **1925 में मद्रास नगर निगम** में वंचित बच्चों के लिये शुरू किया गया था।
- केंद्र सरकार ने **1995 में कक्षा 1 से 5 तक** के बच्चों के लिये पायलट आधार पर एक **केंद्र प्रायोजित योजना** शुरू की थी और अक्तूबर 2007 तक **MDMS को कक्षा 8** तक बढ़ा दिया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bihar-government-revamps-mid-day-meal-menu